पंजीयन क्र . 26996

संस्था आरोग्य

शुरूआत

अक्टूबर 1995 में संस्था की शुरूआत सामाजिक उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के उद्देश्य से हुई। जीवन में खासतौर पर समाज के गरीब और कमजोर तबके के लोगों के बीच उनके हितों के लिए काम करने के उद्देश्य से विशेषकर ग्रामीण विकास, महिलाओं और बच्चों के हित में उनके जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि आधारभूत आवयश्कतों से संबंधित विषयों को लेकर। आज भी संस्था अपने इसी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

संस्था की पहुंच

संस्था प्रमुखतः म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में कार्यरत है और उसका पंजीकृत कार्यालय भोपाल एवं मुख्यालय दिल्ली में स्थित है।

लक्ष्य

राज्य और राष्ट्र स्तर पर कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के हित में कार्य ही संस्था का लक्ष्य है। विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार उन्मूलक क्षेत्रों में। संस्था ऐसा अनुभव करती है कि लोगों में अगर जानकारी है तो वह एक दिन जरूर उनका जीवन बदल देगी इसी विचार को लेकर संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन विकास के क्षेत्रों में कार्यरत है। प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य जैसे आज की जरूरत के क्षेत्र में भारत सरकार के सहयोग से भोपाल जिले में कार्यरत है।

हमारी विचारधारा

मौजूदा प्रयासों को और सफल बनाना यही हमारी विचारधारा का मुख्य लक्ष्य है। समाज के विभिन्न वर्गों, कमजोर तबकों, महिलाओं और बच्चों के हित में विशेषज्ञों की देख-रेख में शासन और समाजसेवी संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए संस्था सदैव तत्पर रही है।

सूचना, शिक्षा, संचार

संस्था का अदम्य विश्वास है जानकारी लोगों का जीवन बदल सकती है। इसी विश्वास और विचारधारा के साथ हम पिछले लगभग 12 वर्षों से समाज के कमजोर तबकों के बीच कार्यरत है। विशेषकर ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में। बात चाहे बच्चों के पोषण की हो या उनके सही विकास की। बात चाहे लिंगभेद की हो या बालिका शिक्षा की। हमारा विश्वास है समाज सही जानकारी से सही दिशा में अग्रसर हो सकता है और इसी को लेकर हम कार्यरत है। समाज में बदलाव के उद्देश्य को लेकर आम आदमी तक इसकी जानकारी पहुंच सके इस हेतु सूचना, शिक्षा, संचार माध्यमों को बढ़ावा देना एवं उनको आम जनों तक पहुंचाना है।

मातृ एवं शिशु जीवन के लिए समर्पित

मातृ शिशु जीवन के लिए विशेष रूप से कार्यरत हैं। यह बात अजीब लग सकती है पर जब बात मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर की आती है तब बहुत पिछड़ा हुआ लगता है। हमें विश्वास है कि बालिका शिक्षा पर अगर प्रदेश में ध्यान देंगे तो मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर पर निश्चित इसका प्रभाव धनात्मक होगा। संस्था के इसके लिए अपने स्तर पर प्रयासरत है।

बच्चों तक पहुंच

हमारा विश्वास है कि बच्चे बहुत तेजी से सीखते हैं और जो उन्हें बताया जायेगा उसे अमल में लाने में देरी नहीं करते इसलिए हम आंगबाड़ियों और स्कूलों के माध्यम से बच्चों तक पहुंचकर उनके बीच शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य

यही हमारी सामाजिक प्राथमिकता है और अंतिम क्षण तक संस्था इसके लिए कार्य करती रहेगी। हम सोचते हैं शिक्षा एवं स्वच्छता स्वास्थ्य की कुंजी है।

ग्रामीण विकास

आज भी भारत का ज्यादातर हिस्सा गांवों में बसता है ओर उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रयासों में संस्था निरंतर प्रयासरत है। संस्था ग्रामीण विकास के सभी जरूरी पहलुओं जैसे रोजगार गांरटी योजना, जलाभिषेक अभियान, समग्र स्वच्छता अभियान, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, स्कूल चलें हम, नंदन वन आदि योजनाओं के कार्ययोजना निर्माण, प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत है।

आरोग्य जन कल्याण संस्था

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2007—08

रोजगार गारंटी योजना

आजीविका के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही ''राष्ट्रीय रोजगार ग्यारंटी योजना'' के उचित क्रियान्वयन के उद्देश्य से प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा विदिशा एवं बड़वानी जिले में किया गया। बढ़ते प्रचार माध्यमों के बीच अपनी बात को लोगों तक पँहुचा पाना दुश्वारी भरा था विशेष कर ऐसे ग्रामीण एंव अन्दरूनी क्षेत्र जहॉ आधुनिक प्रचार माध्यम नही पहुँच पाते । प्रचार प्रसार के कार्यक्रम इस क्षेत्र में अपनी उपयोगिता के कारण विशेष महत्व रखते है। इसकी सीधी पहुंच और दर्शकों से सीधे संवाद कायम करने की क्षमता के कारण यह सम्प्रेक्षण का श्रेष्ठ जरिया है।

भारत की आजादी के बाद से ही विकास की जो अवधारणा बनी उसमें रोजगार को एक महत्वपूर्ण आधार दिया गया। शासन की योजनाओं और कई सफल प्रयोगों ने समाज की दशा में खासे बदलाव किये हैं, इसका परिणाम गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या लगातार कमी होना तथा उनका जीवन गरीबी रेखा के नीचे से मुक्त होना है, पिछले एक डेढ़ दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था में गुणात्मक बदलाव हुए हैं। खुले बाजार की नीतियों ने जहां सार्वजनिक क्षेत्रों की भूमिका सीमित की है, वहां राज्य (State) को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सार्थक हस्तक्षेप के अधिक अवसर दिये हैं।

इस परिदृश्य में रोजगार अभियानों को एक नयी दृष्टि मिली है। बजट की राशि में रोजगार अभियानों के लिए लगातार बढ़ोत्तरी हुई है और जनकल्याण की नयी योजनाएँ अस्तित्व में आई है। रोजगार अभियानों को जिस तरह का एक महत्वपूर्ण आयाम दिया गया है, उसमें जन समूहों की भागीदारी, उनकी जागरूकता, उनका निर्णय में हिस्सेदारी होना, जैसे अनेक नये और अहम् पहलू आज महत्वपूर्ण हो चले हैं।

इन सभी बातों की सूचना और जानकारी न केवल नयी योजनाओं की सफलताओं के लिहाज़ से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समुदाय की सशक्तिकरण की प्रक्रिया का भी अहम हिस्सा है। इस पूरी प्रक्रिया से लोगों को जोड़ने के लिये जरूरी है कि उनमें ''राष्ट्रीय रोजगार ग्यारंटी योजना'' की बातों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मीडिया का प्रयोग हो।

अतः जनता को जाग्रत करने के उद्देश्य से एवं जनजाग्रती लाने हेतु प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का क्रियान्वयन वन्या के माध्यम से जिलों के सभी विकासखण्डों में किया।

जिला पंचायत डिंडोरी में रोजगार गारंटी योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन मार्च माह के प्रथम सप्ताह में जिला-डिंडोरी के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत बालाघाट में रोजगार गारंटी योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत दस दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 मार्च 08 से 25 मार्च 08 तक जिला-बालाघाट के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जलाभिषेक अभियान

संस्था द्वारा म.प्र. शासन की योजना जलाभिषेक में शासन के साथ सामाजिक भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन कई जिलों में प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता अभियान चलाया। संस्था द्वारा जिलों में प्रचार-प्रसार सामाग्री, नुक्कड़ों नाटकों का मंचन, गीत संगीत मंडली, वीडियो वेन से प्रर्दशन आदि का उपयोग किया। प्रदेश के कई जिलों में कार्ययोजना का निमार्ण, प्रचार प्रसार सामाग्री जैसे पोस्टर, पेम्पलेट, ब्रोशर, फोल्डर, फ्लेक्स के बैनर आदि का निमार्ण एवं उनकी रूपरेखा संस्था द्वारा तैयार की गई। योजना के लोकव्यापीकरण एवं जिलो में जल संरक्षण एवं पानी बचाओ आंदोलन के लिए यह एक आवश्यक अंग है।

अतः जनता को जाग्रत करने के उद्देश्य से एवं जनजाग्रती लाने हेतु प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का क्रियान्वयन वन्या के माध्यम से जिलों के सभी विकासखण्डों में किया।

जिला पंचायत विदिशा में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन मार्च माह के प्रथम सप्ताह में जिला-विदिशा के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांतगत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांतगत गरीबी रेखा के नीचे (बी.पी.एल.) जीवन यापन कर रहे परिवारों की आर्थिक स्थिती में सुधार के लिये आर्थिक गतिविधि के संचालन हेतु कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के तहत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों के एक व्यस्क सदस्य को दिया गया।

जिला पंचायत बालाघाट के विकासखण्ड खैरलांजी एवं वारासिवनी में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 16 नवम्बर 2007 से 17 नवम्बर 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बालाघाट के विकासखण्ड कटंगी एवं लालबर्रा में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 16 नवम्बर 2007 से 17 नवम्बर 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बालाघाट के विकासखण्ड बैहर एवं बिरसा में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 16 नवम्बर 2007 से 17 नवम्बर 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बालाघाट के विकासखण्ड किरनापुर एवं लांजी में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 16 नवम्बर 2007 से 17 नवम्बर 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बालाघाट के विकासखण्ड परसवाड़ा एवं बालाघाट में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 16 नवम्बर 2007 से 17 नवम्बर 2007 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत सिवनी के विकासखण्ड केवलारी में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 08 जनवरी 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत सिवनी के विकासखण्ड घंसौर में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 08 जनवरी 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत सिवनी के विकासखण्ड कुरई में 2 दिवसीय मोमबत्ती (सादा, जेल एवं सुगंधित) निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 08 जनवरी 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड खरगोन में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 14–15 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड बड़वाह में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 14–15 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड महेश्वर में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 14–15 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड कसरावर में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 16–17 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड सेगांव में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 16–17 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड गोगावां में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 18–19 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड भगवानपुरा में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 18–19 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड भीकनगांव में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 18–19 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खरगोन के विकासखण्ड झिरन्या में 2 दिवसीय अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण दिनांक 16–17 मार्च 2008 को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

राजीव गांधी जलग्रहण मिशन

संस्था द्वारा आरजीएम अंर्तगत क्षेत्र में पी.आई.ए. सदस्यों एवं स्व-सहायता समूहों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, विपणन एवं प्रबंधन का कार्य किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त जल संग्रहण को बढ़ावा देना, पुरानी आधारभूत संरचाओं को जीवित रखना, स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देना, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल, सड़क एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देना है।

जिला पंचायत बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 11 अप्रेल 2007 से 12 अप्रेल 2007 तक डीपीएपी की हरियाली-1, 2 एवं 3 योजनाओं में विकासखण्ड बड़वानी, पाटी, राजपुर, ठीकरी, निवाली एवं सेंधवा के स्वीकृत माइक्रोवाटरशेड के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 1200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बाालाघाट में प्रशिक्षण दिनांक 16 जून 2007 से 20 जून 2007 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन में जलग्रहण जागरूकता प्रशिक्षण विकासखण्ड बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, बालाघाट, किरनापुर, लांजी, वारासिवनी, खैरलांजी, लालबर्रा एवं कंटगी के जलाभिषेक समितियों के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 4500 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बड़वानी के परियोजना निवाली में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 17 मई 2007 से 18 मई 2007 तक मिली वाटरशेड क्रं. 03 के अंर्तगत ग्राम स्तर पर गठित विस्तारित पानी रोको समितियों, वाटरशेडकर्मियों, उपयोगकर्ता दलों, स्वावलंबन दलों, महिला बचत समूहों के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बड़वानी के परियोजना पाटी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 17 मई 2007 से 18 मई 2007 तक मिली वाटरशेड क्रं. 03 के अंर्तगत ग्राम स्तर पर गठित विस्तारित पानी रोको समितियों, वाटरशेडकर्मियों, उपयोगकर्ता दलों, स्वावलंबन दलों, महिला बचत समूहों के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 95 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बड़वानी के परियोजना बड़वानी में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 17 मई 2007 से 18 मई 2007 तक मिली वाटरशेड क्रं. 03 के अंर्तगत ग्राम स्तर पर गठित विस्तारित पानी रोको समितियों, वाटरशेडकर्मियों, उपयोगकर्ता दलों, स्वावलंबन दलों, महिला बचत समूहों के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत बड़वानी के परियोजना राजपुर में 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 17 मई 2007 से 18 मई 2007 तक मिली वाटरशेड क्रं. 03 के अंर्तगत ग्राम स्तर पर गठित विस्तारित पानी रोको समितियों, वाटरशेडकर्मियों, उपयोगकर्ता दलों, स्वावलंबन दलों, महिला बचत समूहों के सदस्यों को दिया गया। इस प्रशिक्षण में 200 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत उज्जैन में राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को डेयरी फार्म एवं बकरी पालन का प्रशिक्षण परियोजना स्थलों पर दिया गया। इस प्रशिक्षण में 500 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।